(c) if so, when such expaaraon programmes of these ports are likely to be completed?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OP COMMERCE (SHRI P. CHIDAMBARAM): (a) Yes, Sir.

(b) and (c) Subject to the approval of the Eighth Plan outlays, the port acapacity is proposed to be increased from 161.32 million tonnes to 256.49 million tonnes by 1996-97.

Relief to Exporters in Non-C»»vwr-tible Rupee

1747. SHRI SHIV PRASAD CHANPURIA: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether his Ministry issued letter No. 12 (21)/91-EAC dated 3rd July, 1991 withdrawing CCS with effect from 3rd July, 1991;

(b) if so, what relief has been given to the exporters in non-conver tible rupees to USSR who export within the frame work of Indo-USSR Trade Agreement or Protocol in res pect of contracts which were not shipped before 3rd July, 1991; and

(c) if the answer to part (b) above be in negative, the reasons thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI P. CHIDAMBARAM): (a) to (c) The Scheme for grant of Cash Compensatory Support (CCS) on exports was suspended with effect from 3rd July, 1991, as per circular No. 12(21)/91-EAC dated 3rd July, 1991 as part of a package of trade policy reform measures. Subsequently, in his budget speech, the Finance Minister announced that CCS Scheme was abolished w.e.f. 3rd July, 1991.

Since the CCS Scheme has been abov bed. it is not possible to allow CCS tonefits for exports to USSR to the inclusion of other markets.

अभ्रक और लौह-अयस्क क निर्यात

1748. श्री शंकर दयाल सिंह : क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारत किन-किन देशों को अभ्रक और लौह-अयस्क का निर्यात करता है ;

(ख) पिछले वर्ष के दौरान अभ्रक और लौह-अयस्क के किए गए निर्यात का रुपयों में मूल्य कितना है ; और

(ग) इसमें खनिज और धातुव्यापार निगम तथा गैर-सरकारी क्षेत्र द्वारा कि ए गए व्यापार की अलग-अलग मात्रा कितनी है ?

वाणिज्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री पी० चिदम्बरम्) : (क) लोहे का निर्यात मुख्यत: जापान, चीन, कोरिया, पाकिस्तान, रोमानिया, पश्चिम यूरोप, ईरान, हंगरी तुर्की, इण्डोनेशिया, संयुक्त अरब अमीरात और मलेशिया को किया जा रहा है जबकि अभ्रक का निर्यात मुख्यत: आस्ट्रेलिया बेल्जियम, चिली, चैकोस्लोवाकिया, मिस्र फ्रांस, जर्मनी, हांगकांग, हंगरी, टली जापान, मलेशिया, नीदरलैण्ड्स, फ़िली पींस, पोलैण्ड, रोमानिया, दक्षिण कोरिया सिंगापुर, स्पेन, स्विट्जरलैण्ड, सीरिया थाईलैण्ड, ताईवान, ब्रिटेन, यू०एस०ए० और यू०एस०एस०आर० को किया जा रहा है।

(ख) वर्ष 1990-91 के दौरान अभ्रक और लौह अयस्क के निर्यात का अनुमानित मूल्य क्रमश: 51.53 करोड़ रु० और 1060.03 करोड़ रु० है।

(ग) वर्ष 1990-91 के दौरान लौह-अयस्क के निर्यात में एम एम टी सी और गैर सरकारी क्षेत्र का हिस्सा निम्नलिखित रहा :—

एमएमटीसी	524.51 करोड़ रुपये
शेष के गैर सरकारी निर्यातक	307.03 करोड़ रुपये